देश के विकास के लिए जरूरी है गाँवों का सर्वांगिण विकास-चौटाला

अखिल भारतीय सम्पूर्ण ग्राम विकास महासम्मेलन का शुभारम्भ

आबू रोड, १८ नवम्बर, निसं। हमारा देश तेजी से विकास कर रहा है। भारत में आज भी ७० प्रतिशत लोग गाँवो में रहते है। गाँवों के सर्वांगिण विकास से ही देश का विकास सम्भव होगा। इसलिए हमें गाँवें की मूलभूत सुविधाओं और विकास पर ध्यान देना होगा। उक्त उदगार राज्य सभा सदस्य तथा इंडियन टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आयोजित सम्पूर्ण ग्राम विकास आध्यात्मिक महासम्मेलन में देशभर से आये हजारों कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है जब तक हम कृषि और गाँवों के विकास पर ध्यान नहीं देंगे तब तक ना तो गावों का विकास होगा और ना तो देश का। ऐसा नही है कि केवल गाँवों में आधुनिक सुविधायें दे दी जाये और उसे विकास का स्तर मान लिया जाये। इसके लिए ग्रामीणों में आपसी सदभाव, जागृति, कुरीतियों के प्रति सजगता प्रमुख है। आज भी गाँवों में रूढ़िवादिता अपनी चरम पर दिखायी देती है। इससे हमें उपर उठना होगा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि भारत देश की महिमा स्वर्णिम देश के रूप में जानी जाती है। श्रीकृष्ण को भी गाँवो का ही माना जाता है। इसलिए हम सभी को मिलकर एक ऐसी मुहिम छेड़नी चाहिए जिससे गाँवा में फैली कुरीतियां, बुराईया और अंधविश्वास समाप्त हो और लोगों का सर्वांगिण विकास हो सके। आज भी गाँवों में जात-पात का नासूर फैला हुआ है। गुणों और सदभावना के साथ मूल्यों को विकसित कर एक श्रेष्ठ समाज की स्थापना में सहायक हो सके।

पुणे से आये विधानसभा सदस्य विनायक निमन ने कहा कि आज भी भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। जिसका विकास अति आवश्यक है। भौतिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास भी जरूरी है जिससे एक सुन्दर और सभ्य गाँवो का भी निर्माण हो सके। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हमारा भारत सोने की चिड़िया था और पुनः भारत को ऐसा बनाने का प्रयास करना है। परमात्मा द्वारा दिये जा रहे ज्ञान और योग को अपने जीवन में शामिल कर लें तो जीवन में श्रेष्ठ मूल्यों का समावेश होगा।

इस अवसर पर ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र. कु. सरला ने कहा कि हमारा लक्ष्य पूरे भारत के गांवों को सुन्दर एवं स्वच्छ बनाना है। मुख्यालय संयोजक ब्र. कु. राजू, ब्र. कु. ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का दीप जलाकर उदघाटन किया गया। यह महासम्मेलन तीन दिन चलेगा। जिसमें कृषि से जुड़े मुददों पर चर्चा होगी।

फोटो, १८ एबीआरओपी, १, २, ३, ४ कार्यक्रम का दीप जलाकर उदघाटन करते अतिथि , सभा में उपस्थित लोग